

प्र0 शांतिस्वरूप भटनागर ने देश में विज्ञान के मंदिर बनाने की नींव डाली - राज्यपाल

लखनऊ: 02 मार्च, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज सीएसआईआर-सीमैप स्टाफ क्लब द्वारा आयोजित शांतिस्वरूप भटनागर मेमोरियल टूर्नामेंट में इंडोर फाइनल का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में चेन्नई, गोवा, लखनऊ, कोलकाता, नागपुर, नयी दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों के लगभग 190 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। यह सभी प्रतिभागी सीएसआईआर के कर्मचारी हैं। इस अवसर पर निदेशक सीमैप डॉ0 ए0के0 त्रिपाठी, निदेशक एन0बी0आर0आई0 प्रो0 एस0 बारीक, निदेशक आईआईटीआर प्रो0 धवन सहित अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने स्व0 प्रो0 शांतिस्वरूप भटनागर को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि प्रो0 भटनागर ने देश में विज्ञान के मंदिर बनाने की नींव डाली। प्रो0 भटनागर को उनकी सेवाओं को देखते हुये पद्म सम्मान से सम्मानित किया गया। हमारे वैज्ञानिक देश की पूंजी हैं। उनके द्वारा किये गये शोध देश को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। वैज्ञानिकों के शोध का नतीजा है कि कृषि के क्षेत्र में क्रांति आयी है। आजादी के समय हम खाद्यान्न आयात करते थे। वैज्ञानिकों एवं किसानों के सहयोग से देश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर हो गया तथा हम अन्न निर्यात करने की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि शोध संस्थाओं ने देश को आगे बढ़ाने का काम किया है।

श्री नाईक ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि सीएसआईआर-सीमैप संस्था शोध संशोधन के साथ-साथ खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन कर रही है। खेल को खेल की भावना के साथ स्वीकार करना चाहिये। खेल में हार-जीत का उतना महत्व नहीं है जितना उसमें प्रतिभाग करना है। हारने वाली टीम भविष्य में अच्छा प्रदर्शन कर जीतने का प्रयास करे। राज्यपाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन करते हुये कहा कि वे खेल में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने लखनऊ के खान-पान और ऐतिहासिक इमारतों की विशेषता बताते हुये कहा कि लखनऊ की मेजबानी का भी लुत्फ उठायें।

इस अवसर पर आयोजकों द्वारा राज्यपाल को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह व सुगंधित तुलसी के अनेक प्रजाति के पौधे देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निदेशक सीमैप डॉ0 ए0के0 त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन दिया।

अंजुम/ललित/राजभवन (75/05)



